ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

वैश्विक संचार में अनुवाद और जनसंचार की भूमिका

** अर्चना भुस्कुटे,*

** शोधार्थी, पीएचडी (हिंदी) अनुसंधान केंद्र, न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साइंस कॉलेज, अहिल्यानगर.*

प्रस्तावना :

समाज और संचार का अटूट संबंध है।संचार समाज को नजदीक लाता है। भारत एक विशाल देश है जो विविध भाषा,संस्कृति और परंपरा लिए हुए है।पूरे देश में जानकारीयों को पहुँचाने के लिए 'अनुवाद' की आवश्यकता है।अनुवाद के कारण विचारों को साझा करना संभव हुआ है। इस तरह, जनसंचार और अनुवाद में गहरा सम्बन्ध है।

जनसंचार और अनुवाद की परिभाषा.....

जनसंचार वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति, संस्था या संगठन द्वारा जानकारी, विचार, ज्ञान, संस्कृति या संदेश एक साथ बहुत बड़ी जनसंख्या तक पहुँचाए जाते हैं'।जनसंचार शब्द जन और संचार शब्दों से बना है।जिसमें जन का अर्थ होता है जनता या लोग।संचार का अर्थ है सूचना,जानकारी या विचारों का आदान प्रदान। तो एक साथ कई लोगों तक संदेशों या जानकारीयों को पहुँचाना ही जनसंचार कहलाता है।

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY-NC 4.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium for non-commercial use provided the original author and source are credited.

डॉ. अंबादास देशमुख :

जब हम किसी भाव या विचार या जानकारी को दूसरों तक पहुँचाते है और यह प्रक्रिया सामूहिक पैमाने पर होती है,तो इसे जनसंचार कहते है।

नाना साहब गोरे :

विभिन्न संचार के माध्यमों द्वारा व्यापक पैमाने पर सूचना या संदेश का प्रसारण करना जनसंचार कहलाता है।

ए. वी. शनमुगन :

ज्ञान,अनुभव,संवेदना विचार और यहाँ तक की अस्तित्व में होनेवाले अभिनव परिवर्तनों की साझेदारी ही संचार है।

अनुवाद केवल एक भाषा प्रक्रिया नहीं है बल्कि ज्ञान के आदान-प्रदान,संस्कृतियों और विचारों को जोड़ने का एक माध्यम है तथा अंतर्राष्ट्रीय संवाद स्थापित करने का जरिया है। अनुवाद का मतलब स्रोत-भाषा से लक्ष्य-भाषा में अर्थ, भाव, शैली, प्रसार-संस्कृति आदि को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन करना। भारत जैसे बहुभाषी देश में अनुवाद-द्वारा विभिन्न भाषाओं/संस्कृतियों के बीच संवाद संभव है।

प्रोफेसर जॉन सी. कैटफ़ोर्ड:

"अनुवाद एक भाषा-सामग्री को समतुल्य भाषा-सामग्री से प्रतिस्थापित करना है।"

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

डॉ. भोलानाथ तिवारी:

"अनुवाद एक भाषा में व्यक्त विचारों को यथासंभव समान और सहज अभिव्यक्ति द्वारा दूसरी भाषा में व्यक्त करना है।"

जनसंचार और अनुवाद की व्याप्ति.....

जनसंचार का मुख्य उद्देश्य सूचनाओं, विचारों, और भावनाओं को बड़े पैमाने पर जन-जन तक पहुँचाना होता है, और इस प्रक्रिया में अनुवाद एक सेतु की भूमिका निभाता है। अनुवाद मीडिया के लिए संप्रेषण का काम करता है यह एक भाषा में व्यक्त भावों/विचारों को दूसरी भाषा में संप्रेषित करता है।दुनिया के अलग-अलग कोनों में होने वाली घटनाएँ, रिपोर्ट, और खबरें अनुवाद के माध्यम से ही आम लोगों तक पहुँचती हैं।अनुवाद भिन्न भाषाओं के बीच की दूरी को मिटाकर एकता स्थापित करता है।

जनसंचार के क्षेत्र में अनुवाद का महत्व.....

अनुवाद जनसंचार को प्रभावी बनाता है,दुनिया भर में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं, राजनीतिक उथल-पुथल तथा नवीनतम शोध की जानकारी को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करके ही राष्ट्रीय और स्थानीय दर्शकों तक पहुँचाया जाता है।विज्ञान,प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में हो रही प्रगति को अनुवाद के माध्यम से विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराया जाता है।विभिन्न संस्कृतियों का परिचय भी उससे ही होता है इसके कारण लोगों में आपसी समझ और सद्भाव बढ़ता है।यह विभिन्न भाषा समुदायों को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।विदेशी समाचार एजेंसियों की खबरों और लेखों का स्थानीय भाषाओं में अनुवाद किया जाता है। फिल्मों, टीवी धारावाहिकों, विज्ञापनों और डॉक्यूमेंट्री फिल्मों में डबिंग और उपशीर्षक के माध्यम से अन्य भाषी दर्शकों के उपलब्ध किया जाता है। समाज कल्याण और जन-कल्याण की योजनाओं, कानूनों, और नीतियों की जानकारी को आम जनता की स्थानीय भाषाओं में पहुँचाया जाता है ताकि वे सतर्क रह सकें।शैक्षिक सामग्री और ई-लर्निंग संसाधनों का अनुवाद करके उन्हें छात्रों तक पहुँचाने की कोशीश की जाती है। जनसंचार माध्यमों में अनुवादकों,अनुसृजकों और भाषा विशेषज्ञों के लिए नए रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

जनसंचार और अनुवाद के प्रकार :

जनसंचार के प्रकार :

जनसंचार का उद्देश्य विचारों,भावों,सूचनाओं और जानकारीयों को समाज तक पहुँचाना होता है।इसके लिए जिन माध्यमों का उपयोग किया जाता है उसे निम्न प्रकारों में विभाजीत किया गया है--

1. **मुद्रण माध्यम-**
   जिसमें समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, पर्चे, विवरणिका, ग्रंथ,पोस्टर आदि आते है।
2. **इलेक्ट्रॉनिक माध्यम-**
   जिसमें श्रव्य माध्यम- जैसे रेडियो,ऑडियो का समावेश है तथा दृश्य- श्रव्य माध्यम में फिल्में, टेलिविजन, वीडियो, वृत्तचित्र, लघु फिल्में आदि आते है।
3. **नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम-**
   उपग्रह एवं सैटेलाईट जिसमें इंटरनेट ऑनलाइन समाचार, पोर्टल,सोशल मीडिया, मोबाइल एप्लीकेशन,पॉडकास्ट का समावेश है।

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

अनुवाद के प्रकार :

जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में अनुवाद का रूप अलग-अलग होता है।इसे अनुवाद के निम्न प्रकारों से समझ सकते है।

1. **मुद्रित माध्यम-**

   जिसके तहत आता है शब्दानुवाद, भावानुवाद, संक्षिप्तानुवाद, सारानुवाद.

2. **श्रव्य-दृश्य माध्यम-**

   जिसके तहत आता है डबिंग, सबटाइटलिंग, पार्श्व वाचन. टेली अनुवाद.

3. **नव मीडिया/डिजीटल मीडिया** –

   जिसके तहत आता है वेबसाइट लोकलाइज़ेशन,मशीनी अनुवाद, सॉफ्टवेयर लोकलाइज़ेशन, स्पीच रिकग्निशन, सॉफ्टवेयर लोकलाइज़ेशन, स्पीच रिकग्निशन.।

जनसंचार के क्षेत्र में अनुवाद की आवश्यकता :

आज के वैश्वीकरण और बहुभाषी समाज के दौर में अनुवाद की आवश्यकता बहुत महत्वपूर्ण है।अगर सूचना तथा जानकारियों को बडे पैमाने पर ले जाना हो तो अनुवाद अनिवार्य है। विश्व भर की सूचनाओं, समाचारों और विचारों को सबकी भाषा में पहुँचाने के लिए अनुवाद ज़रूरी है। अंतर्राष्ट्रीय समाचार को स्थानीय भाषाओं में लाने के लिए तथा स्थानीय सामग्री को वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाने के लिए अनुवाद सेतु का काम करता है। अख़बार, रेडियो, टेलीविज़न और ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल्स में देश-विदेश की खबरें, संपादकीय, विज्ञापन, बाज़ार भाव आदि का अनुवाद लगातार होता है। फ़िल्में, टीवी शो,वृत्तचित्र आदि को डबिंग और सबटाइटलिंग (उपशीर्षक) के माध्यम से विभिन्न भाषाओं के दर्शकों के लिए सुलभ बनाया जाता है। उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापनों को अलग-अलग क्षेत्रों के उपभोक्ताओं तक उनकी भाषा और सांस्कृतिक संदर्भ के अनुसार पहुँचाने के लिए अनुवाद आवश्यक है। अनुवाद विभिन्न संस्कृतियों, जीवन-शैलियों और विचारों को एक-दूसरे के निकट लाता है, जिससे आपसी समझ और सहिष्णुता बढ़ती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, अनुवाद विभिन्न राज्यों और भाषा-भाषी समुदायों के बीच संवाद स्थापित करके राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने में सहायक होता है। विज्ञान, तकनीकी, स्वास्थ्य और कानूनी जैसे क्षेत्रों की जटिल जानकारी को आम जनता तक उनकी भाषा में समझाने के लिए विशेष अनुवाद की आवश्यकता होती है।इस तरह अनुवाद भाषा की सीमाओं से परे ले जाता है जो जनसंचार के लिए आवश्यक है।

अनुवादक के गुण :

एक कुशल अनुवादक में केवल भाषाओं का ज्ञान ही नहीं,बल्कि अन्य कौशल भी होने चाहिए।

1. **भाषा और विषय का ज्ञान** :

   स्रोत और लक्ष्य भाषा में महारथ हासिल होनी चाहिए।

   स्रोत भाषा –

   जिस भाषा से अनुवाद किया जा रहा है, उसकी गहरी समझ होनी चाहिए, जिसमें उसके व्याकरण, शब्दावली, मुहावरे, और सांस्कृतिक बारीकियों का ज्ञान शामिल है।

   लक्ष्य भाषा –

   जिस भाषा में अनुवाद किया जा रहा है, उस पर उत्कृष्ट लेखन और अभिव्यक्ति कौशल होना चाहिए ताकि अनुवाद स्वाभाविक और सहज लगे।

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

सांस्कृतिक समझ –

भाषा संस्कृति से जुड़ी होती है। अनुवादक को दोनों भाषाओं से जुड़े सांस्कृतिक संदर्भों, रीति-रिवाजों को समझना चाहिए, ताकि अनुवाद में कोई गलत अर्थ न चला जाए।

विषय का ज्ञान-

यदि पाठ तकनीकी, कानूनी, चिकित्सा या साहित्य से संबंधित है, तो अनुवादक को उस विषय के पारिभाषिक शब्दों और अवधारणाओं की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

शोध कौशल-

किसी अपरिचित शब्द या विषय की जानकारी के लिए शब्दकोशों, ज्ञानकोशों और ऑनलाइन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता हों।

2. **तकनीकी गुण-**

तकनीकी उपकरण का ज्ञान हो,जो एकरूपता बनाए रखने और कार्य को गति देने में मदद करते हैं।दस्तावेजों को कुशलतापूर्वक संभालने की क्षमता हो।अनुवादकों के लिए समय पर काम पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।लगातार सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए क्योंकि भाषाएँ और तकनीकें बदलती रहती हैं।अनुवादक को हमेशा अपने ज्ञान को अपडेट करते रहना चाहिए।

3. **व्यक्तिगत तथा नैतिक गुण**

अनुवाद मूल पाठ के अर्थ, स्वर और उद्देश्य के प्रति पूरी तरह से ईमानदार होना चाहिए। पाठ की छोटी-छोटी त्रुटियों (जैसे वर्तनी, विराम चिह्न) और बारीकियों पर ध्यान देना जरुरी है क्योंकि एक छोटी-सी गलती भी अर्थ बदल सकती है। जटिल और लंबे पाठों के साथ काम करने के लिए एकाग्रता और धैर्य बनाए रखना आवश्यक है। संवेदनशील दस्तावेजों की गोपनीयता बनाए रखना एक महत्वपूर्ण नैतिक दायित्व है। एक अच्छा अनुवादक हमेशा अपने काम की समीक्षा कर उसे सुधारने की कोशीश करता है,उसका पुनरावलोकन करता है।

जनसंचार और अनुवाद में संबंध :

1. अनुवाद जनसंचार को भाषा के साथ सांस्कृतिक विस्तार भी प्रदान करता है। जनसंचार माध्यम जैसे समाचारपत्र, टीवी, इंटरनेट आदि एक भाषा समूह तक सीमित रहते हैं परंतु अनुवाद द्वारा उनका प्रसार कई भाषा समूहों तक जा सकता है जो स्रोत भाषा नहीं समझते। उदाहरण- तेलगु में प्रसारित समाचार को अंग्रेजी में अनुवादित करते है तो वह अन्य भाषी लोगों तक पहुँचता है।
2. भारत जैसे बहुभाषी देश में अनुवाद के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद संभव होता है और जनसंचार के माध्यम से सामाजिक समावेशन भी बढ़ता है।
3. आज-कल चलचित्र, टीवी-शो, विज्ञापन और डिजिटल सामग्री अक्सर एक भाषा में बनकर अन्य भाषाओं में अनुवादित या डब होती हैं। इस प्रकार, अनुवाद जनसंचार के माध्यमों के लिए बहुभाषी बनने का जरिया हो गया है।
4. यदि सरकार-माध्यम द्वारा जारी सूचना (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकार) केवल एक भाषा में हो तो अन्य भाषी जनता तक नहीं पहुँचती। सही अनुवाद द्वारा जनसंचार माध्यम इन सूचनाओं को अन्य भाषीयों तक पहुँचा सकता हैं।

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

जनसंचार और अनुवाद क्षेत्र की चुनौतियाँ :

अनुवाद की गुणवत्ता का सुनिश्चित होना कठिन है।गलत अनुवाद से भ्रम पैदा होता है और अर्थ की हानि होती है।

जनसंचार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है जब मीडिया माध्यमों में तेजी से बदलाव होता है या नए प्लेटफॉर्म सामने आते है,भाषाओं में विविधता होती है और समय का दबाव रहता है।इससे कभी कभी अधूरा अनुवाद अथवा गलत अनुवाद किया जा सकता है।

भाषाओं के लिए संसाधन की कमी होती है- जैसे शब्द-कोश, तकनीकी अनुवाद-डाटा, प्रशिक्षण। इससे अनुवाद की क्षमताएँ बाधित होती है।

अनुवाद सिर्फ शब्द-परिवर्तन नहीं है,बल्कि स्रोत भाषा की संस्कृति के भाव, उपमाएँ, संदर्भ आदि को लक्ष्य भाषा में अनुवाद करना कठिन और जटिल है।

जनसंचार और अनुवाद क्षेत्र के अवसर :

भारत बहुभाषी देश हैं इसलिए अनुवाद की आवश्यकता है और इससे जनसंचार का विस्तार भी होता है।

डिजिटल युग में इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया द्वारा जनसंचार का प्रसार बढ़ा है साथ ही मशीन अनुवाद ने प्रगति की है जिससे नई संभावनाएँ सामने आयी है।

सरकारी योजनाओं तथा नीति में स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा-सामग्री, ग्रामीण समुदायों में सूचनाओं का पहुँचना अनुवाद के कारण संभव हुआ है,भाषा-साक्षरता बढ़ गई है। जनसंचार की भूमिका के कारण अनुवादित सामग्री का सामाजिक लाभ अधिक हो रहा है।इसकी वजह से अनुवाद और जनसंचार में अवसर बढते नजर आ रहे है।

निष्कर्ष :

जनसंचार और अनुवाद दोनों ही सूचना संप्रेषण के अत्यंत महत्वपूर्ण साधन हैं।

जहाँ जनसंचार समाज में विचारों का प्रसार करता है, वहीं अनुवाद विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच संवाद को संभव बनाता है।अनुवाद के बिना, एक देश की महत्वपूर्ण खोजें, कलाकृतियाँ या राजनीतिक संदेश दुनिया के लिए अछुते ही रह जाते है। अनुवाद और जनसंचार के कारण विभिन्न देशों के लोग एक-दूसरे की आवश्यकताओं और दृष्टिकोणों को समझ पाते हैं। जनसंचार और अनुवाद के माध्यम से वैश्वीकरण की प्रक्रिया तेज होती है। वैश्विक संचार का भविष्य अनुवाद की सटीकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और जनसंचार माध्यमों की नैतिक जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। ये दोनों मिलकर एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर रहे हैं जहाँ भौगोलिक और भाषाई सीमाएँ संचार में बाधा नहीं डालतीं, बल्कि मानव एकता और विश्व नागरिकता को बढ़ावा देती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. *1.जॉन सी. कैटफ़ोर्ड (J.C. Catford)----*
2. *A Linguistic Theory of Translation: An Essay in Applied Linguistics*
3. *1965, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस*
4. *2. डॉ. भोलानाथ तिवारी*
5. *अनुवाद विज्ञान*
6. *1951, परिवर्तित संस्करण,किताब महल.*
7. *3. डॉ.अंबादास देशमुख*
8. *जनसंचार माध्यम एवं हिंदी भाषा*

ISSN–2278-5655

AMIERJ Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal

Volume–XIV, Special Issues – III (a) Nov – Dec, 2025

OPEN ACCESS Original Research Article

9. 2017,शैलजा प्रकाशन,कानपूर.

10. 4. नाना साहब गोरे

11. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग

12. 2019,ए.बी.एस.पब्लीकेशन,वाराणसी.

13. 5. ए.वी.शनमुगन

14. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग

15. 2009,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली.

16. कुल शब्दसंख्या- 1858

Cite This Article:

भुस्कुटे अ. (2025). *वैश्विक संचार में अनुवाद और जनसंचार की भूमिका.* **In Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal**: Vol. XIV (Number VI, pp. 137–142). ***Doi:*** ***https://doi.org/10.5281/zenodo.18007447***